अन्तः ऊर्जा जागरण सत्र
आवेदन-पत्र

पासपोर्ट साइज का अपना नवीनतम फोटो लगाएँ।

(यह फार्म हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में स्पष्ट अक्षरों में भरें)

(आवेदक साधना के कड़े अनुशासनों को भली प्रकार स्वयं पढ़ लें। यदि पालन कर सकें, तो ही आवेदन करें। आवेदक आवेदन पत्र स्वयं लिखें।)

१. श्री/श्रीमती/कु. ------------------------------पिता/पति का नाम------------------------------

२. मुहल्ला/कॉलोनी का नाम ------------------------------

ग्राम ------------------------------ पोस्ट------------------------------ब्लॉक/तहसील------------------------------

जिला ------------------------------प्रान्त------------------------------ पिन कोड------------------------------

३. मोबा./टेलीफोन (STD कोड सहित) ------------------------------फैक्स------------------------------

४. जन्मतिथि ------------------------------ आयु ------------------------------ विवाह तिथि ------------------------------

५. शिक्षा------------------------------तकनीकी योग्यता ------------------------------ व्यवसाय------------------------------

६. गायत्री मंत्र दीक्षा कब, कहाँ ली? ------------------------------

७.नियमित गायत्री जप कितनी माला या कितना समय करते हैं? ------------------------------

८. शान्तिकुंज में कौन-कौन से सत्र, कब-कब सम्पन्न किए? ------------------------------

----

९. अपने स्तर पर कौन से, कितने अनुष्ठान सम्पन्न किए? ------------------------------

----

१०. समयदान एवं अंशदान का क्या क्रम चला रहे हैं? ------------------------------

----

११. समयदान के क्रम में किए गए उल्लेखनीय कार्य एवं सप्त आन्दोलन परक या अन्य कोई सेवा कार्यों का विवरण------------------------------

----

----

१२. मिशन से कब से जुड़े हैं? ------------------------------

१३. सत्र में कब भाग लेना चाहते हैं। न्यूनतम २-३ तिथियों का उल्लेख करें। ------------------------------

----

१४. मिशन की किन पत्रिकाओं के नियमित ग्राहक कब से हैं? संख्या भी लिखे। (अखण्ड ज्योति, युग निर्माण योजना, प्रज्ञा अभियान पाक्षिक, युग शक्ति गायत्री, युग साधना आदि)------------------------------

----

१५. शिविर के अनुशासन का भली-भाँति पालन करने एवं शारीरिक व मानसिक दृष्टि से रोगी न होने का आश्वासन देता /देती हूँ।

आवेदक के हस्ताक्षर

दिनांक------------------------------

नाम ------------------------------

अन्तः ऊर्जा जागरण सत्र

अनुशासन

यह सत्र सामान्य सत्रों से भिन्न होंगे। साधना के अनुशासन काफी कड़े होंगे। इसलिए हर किसी को प्रवेश देना उचित एवं संभव नहीं होगा। प्राप्त आवेदनों की जाँच और कड़ी समीक्षा के बाद ही स्वीकृति भेजी जायेगी। फिर भी यदि सत्र के लिए पहुँचे किसी प्रतिभागी को सत्र के कड़े अनुशासन पालने में अक्षम समझा गया, तो उन्हें इन सत्रों में शामिल नहीं किया जायेगा। अस्तु आवेदन करने वाले साधक-साधिकाएँ अपने आपको भली प्रकार तौलकर ही आवेदन करें। साधना-काल में एक कक्ष में अकेले ही रहना होगा। अपने सभी कार्य स्वयं ही करने होंगे। **जो साधक शन्तिकुंज में चलने वाले नौ दिवसीय सत्र सम्पन्न कर चुके हों एवं मिशन की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हों तथा निर्धारित अनुशासन निभा सकें, वे ही आवेदन करें।** अपने साथ किसी ऐसे साथी को न लायें, जिसे अलग न ठहराया जा सके अथवा उसकी देखभाल की चिन्ता करनी पड़े। गम्भीर व्याधि से ग्रस्त कोई परिजन आवेदन न करें।

१. साधना प्रारम्भ होने से समापन तक साधकों को मौन, एकांत सेवन करते हुए अंतर्मुखी रहना होगा। केवल अखण्ड दीप दर्शन एवं यज्ञ के समय कक्ष से बाहर निकला जा सकेगा।

२. साधना, स्वाध्याय का निर्धारित क्रम ही अपनाना होगा। शेष समय अन्तः चेतना एवं तीर्थ चेतना की गहराइयों में उतरने के लिए अंतर्मुखी गहन आत्मिक मनन-चिन्तन में अपने को लगाना उचित होगा। पढ़ने के लिए अन्य साहित्य, समाचार पत्र आदि उपलब्ध नहीं होंगे।

३. भोजन, गंगाजल एवं प्रज्ञापेय समय पर साधना कक्ष में ही दोनों समय पहुँचा दिये जायेंगे भोजन में हविष्यान्न की एक रोटी एवं औषधियों की चटनी के अलावा साधक की इच्छानुसार चावल या दलिया की खिचड़ी दी जायेगी। अन्य पदार्थ सेवन की छूट नहीं होगी।

४. जप का कोई संख्यापरक प्रतिबंध नहीं होगा। संख्या की जगह ध्यान सहित गहराई बढ़ाने पर बल दिया जायेगा। लगभग ६ घण्टे विशिष्ट साधनाओं में लगेंगे। दोनों समय लगभग २० मिनट टेप प्रवचन एवं उसके बाद उसी विषय पर मनन-चिंतन का क्रम चलेगा। औसतन २ घंटे स्वाध्याय एवं उसके मनन-चिन्तन में लगेंगे। शयन, नित्यकर्म, भोजन आदि से बचा शेष समय जप एवं आत्मचिन्तन में लगाया जायेगा।

५. साधना समाप्त होने पर विदाई के पूर्व वे अपनी अनुभूतियों का सार-संक्षेप तथा युगधर्म के परिपालन के क्रम में अपने अन्दर उभरे संकल्प लिखकर देंगे। समापन पर विधिवत् संकल्प भी कराया जायेगा।